visit our website www.jaypeebrothers.com, for detailed information on pediatric books, visit our website www.jaypeebrothers.com, for detailed information on pediatric books

भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी (आईएपी)

माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए 105 आईएपी दिशानिर्देश

स्वास्थ्य और रोग की स्थिति में अपने बच्चे की देखभाल



प्रधान संपादक
पीयूष गुप्ता

कार्यकारी संपादक
दीपक उग्रा

प्रधान संपादक, हिंदी संस्करण
नरेंद्र आर. नानिवडेकर

कार्यकारी संपादक, हिंदी संस्करण
अशोक बांगा

प्रस्तावना
वाई.के. आमडेकर

JAYPEE

विषय–सूची

खंड 1: अपने बच्चे की देखभाल कैसे करें?

1. **पौष्टिक खाना और जंक फूड** 2

संयोजक: ***निधि बेदी***

सदस्य: सीबी दास गुप्ता, सी निर्मला, क्रिस्टिन इंदुमथी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	स्वाती घाटे	अशोक बांगा

2. **सामान्य नींद और शारीरिक गतिविधि के लिए दिशानिर्देश** 10

संयोजक: ***अनघा जयकर***

सदस्य: जयकुमार सी पणिक्कर, के वेंकट रमण मूर्ति, उज्वला सुधीर गवली

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अजय गौड़	निर्मला जोशी	अनंत केतकर	अशोक बांगा

3. **दंत चिकित्सा, डायपर और कपड़े** 20

संयोजक: ***सांवर अग्रवाल***

सदस्य: अमी ए देवकर, मनीष अग्रवाल, संजय जोशी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
उपेंन्द्र किंजावडेकर	निर्मला जोशी	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

4. **दुर्घटनाओं और चोटों की रोकथाम** 33

संयोजक: ***बंकिम एन पारिख***

सदस्य: अनिल सूद, हरीश कुमार पेमडे, श्वेता मुखर्जी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	वी एन त्रिपाठी	नरेंद्र नानिवडेकर	रिमझिम श्रीवास्तव

5. **माता–पिता के लिए स्क्रीन टाइम दिशानिर्देश** 39

संयोजक: ***प्रीति एम गलागली***

सदस्य: नरेंद्र बी राठी, शुवेंदु रॉय, सुदीप दत्ता

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
हरीश पेमदे	दिनेश एन त्रिपाठी	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

6. **स्कूल और मेरा बच्चा: स्कूली शिक्षा के संबंध में माता–पिता की चिंताएँ** 50

संयोजक: ***स्वाती ए घाटे***

सदस्य: पियाली भट्टाचार्य, संजय एम मराठे, सुनील दत्त शर्मा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
प्रशांत जाधव	पियाली भट्टाचार्य	राकेश भारद्वाज	अशोक बांगा

7. **खेल, खिलौने और खेलकूद** 62

संयोजक: ***रितिका चोखानी***

सदस्य: (दिवंगत) डी वाई श्रीखंडे, सुधीर मिश्रा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
प्रीति एम गलागली	दिनेश एन त्रिपाठी	रिमझिम श्रीवास्तव	उषा बांगा

8. **प्रारंभिक बाल्यकाल में विकास** 71

संयोजक: ***छाया प्रसाद***

सदस्य: गीता पाटिल, जयन्त कुमार वी. उपाध्ये, सुभाष सिंह सलाथिया

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जय कुमार सी पाणिक्कर	आर एन द्विवेदी	सुरेश शर्मा	अशोक बांगा

9. पढ़ाई, कोचिंग और व्यावसायिक परामर्श 83
संयोजक: ***सीपी बंसल***
सदस्य: प्रमोद जोग, प्रेम कुमार सिंगला, राजकुमार एन मरोल

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जीसन उन्नी	राकेश भारद्वाज	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

10. एक बच्चे के साथ यात्रा 94
संयोजक: ***संतोष अग्रवाल***
सदस्य: अरुण कुमार, अरविन्द के उपाध्याय, रेणु बोरालकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
स्वपन कुमार रे	राकेश भारद्वाज	पियाली भट्टाचार्य	अशोक बांगा

खंड 2: टीकाकरण द्वारा रोगों की रोकथाम

11. टीकाकरण के लिए सुझाव 102
संयोजक: ***संजय श्रीरामपुर***
सदस्य: जोस ओसेफ, संजय वर्मा, श्याम कुकरेजा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
देवजीत कुमार शर्मा	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा	अशोक बांगा

12. टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं से निपटना 110
संयोजक: ***विपिन एम वशिष्ठ***
सदस्य: अतुल कुमार अग्रवाल, चेतन जी त्रिवेदी, एसजी काशी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	उत्कर्ष बंसल	राकेश कुमार	अशोक बांगा

खंड 3: व्यवहारिक और विकासात्मक मुद्दे

13. अपने बच्चे को बुलिंग से निपटने के लिए कैसे तैयार करें 122
संयोजक: ***एस यमुना***
सदस्य: अंजनी कुमार अग्रवाल, अतुल एम कनिकर, संदीप एम केलकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
हरप्रीत सिंह	नमिता श्रीवास्तव	दिनेश एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

14. अंगूठा चूसने, गुस्से के नखरे और पाइका 132
संयोजक: ***दलजीत सिंह***
सदस्य: अरुण कुमार मांगलिक, पीसी खत्री, समीर आर शाह

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अतनु भद्रा	चंद्रशेखर दाभाडकर	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

15. अनियंत्रित पेशाब निकल जाना (एन्यूरेसिस) और अनियंत्रित मल विसर्जन (एंकोप्रेसिस) 144
संयोजक: ***सतीश पंज्या***
सदस्य: गिरीश चन्द्र भट्ट, हरप्रीत सिंह, जे पी टन्डन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अरविंद बग्गा	राकेश चंद्र भारद्वाज	डी एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

16. रुक–रुक कर बोलना और हकलाना 156
संयोजक: ***मनीषा मखीजा***
सदस्य: दुर्गा प्रसाद पलेती, गिरीश चंद्र अग्रवाल, गुरदीप सिंह

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
नंदिता चटर्जी	नरेंद्र नानिवडेकर	अनंत केतकर	अशोक बांगा

17. मैं अपने बच्चे में कब और कैसे शोषण को पहचानूँ और उसे कैसे रोकूं? 163
संयोजक: ***किरण अग्रवाल***
सदस्य: आर एस सेठी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	किरण माखीजा	उत्कर्ष बंसल	अशोक बांगा

18. ऑटिज्म पहचानना और ऑटिज्म पीड़ित बच्चों की देखभाल 181
संयोजक: ***अपराजिता गुप्ता***
सदस्य: शर्मिला बी मुखर्जी, समीर एच दलवई, देवेन्द्र गाबा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	किरण माखीजा	उत्कर्ष बंसल	अशोक बांगा

19. अटेंशन डेफिसिट (ध्यान अभाव)/हाइपरएक्टिव (अति सक्रिय) बच्चे की देखभाल 196
संयोजक: ***अंजन भट्टाचार्य***
सदस्य: अमर वर्मा, राजनी फरमानिया, विजय जैन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आरुषि गहलोट	शालिनी भसीन	किरण माखीजा	अशोक बांगा

20. अपने बच्चे में किसी विशिष्ट सीखने की अक्षमता का संदेह कब करें? 204
संयोजक: ***शैफाली गुलाटी***
सदस्य: चेतन बी. शाह, लोकेश सैनी, विजय के. कुलकर्णी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
समीर दलवाई	शालिनी भसीन	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

21. बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चे की देखभाल 215
संयोजक: ***श्रुति एनएम***
सदस्य: अश्विनी ए मराठे, धनंजय आर शाह, ज्योति मिश्रा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
एस सीतारमन	शिखा गर्ग	दिनेश एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

खंड 4: क्या मेरा बच्चा अच्छी तरह बढ़ रहा है?

22. सामान्य वृद्धि 226
संयोजक: ***मोनिका शर्मा***
सदस्य: अनिल कुमार, अंजू सेठ, प्रीति सिंह

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
योगेश पारिख	नरेंद्र नानिवडेकर	अनंत केतकर	अशोक बांगा

23. सामान्य विकास और असामान्य विकास 238
संयोजक: ***नंदिता चटर्जी***
सदस्य: अंजना अमित थदानी, अरुण बंसल, शर्मिला बनर्जी मुखर्जी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अशोक कुमार दत्ता	किरण माखीजा	उत्कर्ष बंसल	अशोक बांगा

24. दृष्टिबाधित बच्चे की देखभाल और दृष्टिबाधित होने का कब संदेह करें? 248
संयोजक: ***पायल गुप्ता***
सदस्य: अनिल कुमार जयसवाल, जिजो जोसेफ जॉन, सुनील एस गोडबोले

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	जे.के. गुप्ता	अनंत केतकर	अशोक बांगा

25. श्रवण–बाधिता पर कब संदेह करें और श्रवणबाधित बच्चे की देखभाल 257
संयोजक: ***वहीदा पगारकर***
सदस्य: सत्येन ज्ञानी, सुचित तंबोली, विशाल विष्णु तिवारी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सत्येन भान	नरेंद्र नानिवडेकर	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

खंड 5: अपने किशोर बच्चे को समझना

26. किशोरावस्था में सामान्य मनोसामाजिक विकास 272
संयोजक: ***शैलजा वी माने***
सदस्य: अजय कुमार, के एच रतन कुमार, राजेश एम महेश्वर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
राजीव कृषक	किरण माखीजा	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

27. यौवनारम्भ 286
संयोजक: ***अनुराग बाजपेयी***
सदस्य: पीए मोहम्मद कुन्जू, रवि अम्बे, संगीता यादव

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
संगीता यादव	उत्कर्ष बंसल	अनंत केतकर	अशोक बांगा

28. किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे 294
संयोजक: ***रोशनी सोनावणे***
सदस्य: निखिल ओझा, श्रीनिवास लक्ष्मिवेंकटेशैया, सुषमा पंकज देसाई

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सतीश शर्मा	राकेश कुमार	किरण माखीजा	अशोक बांगा

29. एनोरेक्सिया और बुलिमिया 301
संयोजक: ***श्वेतांभरा सभरवाल***
सदस्य: अलका अग्रवाल, चंद्र मोहन, श्रीकांत शर्मा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सुमिता नायक	आर एन शर्मा	पियाली भट्टाचार्य	अशोक बांगा

खंड 6: संक्रमण

30. बुखार: सामान्य प्रबंधन 312
संयोजक: ***पीयूष गुप्ता***
सदस्य: विक्रम भास्कर, एम रविशंकर, विश्वजीत मिश्रा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	नरेंद्र नानिवडेकर	नमिता श्रीवास्तव	उषा बांगा

31. मेरे बच्चे को बुखार के साथ दाने (चकत्ते) हैं 318
संयोजक: ***विजय येवले***
सदस्य: अश्विनी सूद, दिगंत डी शास्त्री, पलनी रमन राममूर्ति

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	नमिता श्रीवास्तव	अनंत केतकर	अशोक बांगा

32. टाइफाइड 323
संयोजक: ***जयदीप चौधरी***
सदस्य: धन्या धर्मपालन, जय सिंह, सुहास वी प्रभु

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
संगीता यादव	अशोक बांगा	नरेंद्र नानिवडेकर	रिमझिम श्रीवास्तव

33. वायरल हेपेटाइटिस 333
संयोजक: ***मालथी सत्थ्यसेकरन***
सदस्य: अमरजीत चितकारा, डी नारायणप्पा, एम सुरेंद्रनाथ

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
श्रीश भटनागर	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव	अशोक बांगा

34. गंभीर जीवाणुजन्य बीमारी (सीरीअस बैक्टिरीयल इन्फेक्शन) 339
संयोजक: ***एस बालासुब्रमण्यम***
सदस्य: राजू सी शाह, पीएस पवन कल्याण, तनु सिंघल

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अजय कुमार गुप्ता	दिनेश एन त्रिपाठी	अनंत केतकर	अशोक बांगा

35. बच्चों में क्षय (टीबी) रोग 345
संयोजक: ***वरिंदर सिंह***
सदस्य: अमोल पी जयभाये, अंकित पारख, नर्मदा एस

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
रविंदर कुमार गुप्ता	सी पी बंसल	डी एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

36. एचआईवी से पीड़ित बच्चे की देखभाल/एचआईवी पॉजिटिव माँ से जन्मे बच्चे की देखभाल 354
संयोजक: ***इरा शाह***
सदस्य: भास्कर शेनोय, एस एन मोथी, टी हिमाबिन्दु सिंह

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	अनंत केतकर	अशोक बांगा

37. प्रतिरक्षा की कमी वाले बच्चे की देखभाल 362
संयोजक: ***अंजू गुप्ता***
सदस्य: अंबरीन पंड्रोवाला, बलदेव एस प्रजापति, रूपम दास

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
एस सीतारमन	नरेंद्र नानिवडेकर	किरण माखीजा	अशोक बांगा

38. मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम 375
संयोजक: ***अतुल कुलकर्णी***
सदस्य: हेमंत जोशी, खेया घोष उत्तम, ऋतब्रत कुंडू

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आर पलानीरमन	अश्वनी अग्रवाल	अवधेश अवस्थी	अशोक बांगा

खंड 7: पोषण

39. स्तनपान कैसे कराएं? 386
संयोजक: ***एम एम ए फरीदी***
सदस्य: जयश्री मोंडकर, जी श्रीधर, आलोक भंडारी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	शालिनी भसीन	अशोक बांगा

40. पूरक आहार: 6 महीने से अधिक उम्र के शिशु को खिलाना 397
संयोजक: ***सतीश के तिवारी***
सदस्य: अविनाश एल सांगले, पराग बी गायकवाड़, सतिंदर अनेजा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
उप्पिन नारायण रेड्डी	आर एन शर्मा	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

41. मेरे बच्चे के लिए विटामिन और खनिज 409
संयोजक: ***राजेश आर चोखानी***
सदस्य: एस थंगावेलु, राकेश जोरा, आरती प्रसन्ना

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
उत्कर्ष शर्मा	अनंत केतकर		

42. 1 से 2 वर्ष की आयु के बीच पोषण 418
संयोजक: ***मुकुल तिवारी***
सदस्य: प्रियं गुप्ता, टीएम आनंद केशवन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अनुराग अग्रवाल	अनंत केतकर	दिनेश त्रिपाठी	रिमझिम श्रीवास्तव

43. 2–5 वर्ष के बच्चों (प्रीस्कूलर्स) के पोषण के लिए 426
संयोजक: ***श्वेता रस्तोगी***
सदस्य: चन्द्रशेखर दाभाडकर, निरंजन मोहंती, उषा बांगा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
एके जलील अहमद, धीरज शाह	अनंत केतकर	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

44. 5–12 वर्ष के बच्चों के लिए पोषण 437
संयोजक: ***अशोक बांगा***
सदस्य: ए यशवंथराव, प्रमोद शर्मा, सतीश ए शहाणे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आर सोमशेखर, धीरज शाह	अशोक बांगा	नरेंद्र नानिवडेकर	नरेंद्र नानिवडेकर

45. किशोरों का पोषण (10–19 वर्ष) 446
संयोजक: ***श्रीकांत बसु***
सदस्य: अविनाश बंसल, निगम पी नारायण, अल्पना चावला

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
धीरज शाह, अरविंद सावंत	अश्वनी अग्रवाल	अनंत केतकर	रिमझिम श्रीवास्तव

46. मेरे बच्चे के लिए कौन से न्यूट्रीशिनल सप्लीमेंट्स की आवश्यकता होगी 457
संयोजक: ***बेला वर्मा***
सदस्य: केई एलिजाबेथ, एमके संतोष, विक्रम एस पात्रा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
धीरज शाह, संदीप त्रिवेदी	अश्वनी अग्रवाल	उत्कर्ष बंसल	अशोक बांगा

47. बच्चों में कुपोषण की रोकथाम और देखभाल 467
संयोजक: ***प्रवीण कुमार***
सदस्य: आकाश बंग, आर आहूजा, वीपी गोस्वामी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
राजकुमार मरोल	राकेश कुमार	किरण माखीजा	रिमझिम श्रीवास्तव

48. अधिक वजन और मोटापा: जांच, रोकथाम और प्रबंधन 477
संयोजक: ***रेखा हरीश***
सदस्य: कविता सकामुरी, सतीश वी अग्रवाल, शिल्पा पी अरोस्कर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
धीरज शाह, संदीप त्रिवेदी	किरण माखीजा	शालिनी भसीन	अशोक बांगा

खंड 8: नवजात शिशु

49. मैं अपने नवजात शिशु के आगमन की तैयारी कैसे करूँ? 492
संयोजक: ***जुबैर एच अघाई***
सदस्य: रोशेल सेक्वेरागोम्स, रुचि राय, श्रीपर्णा बसु

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सात्विक बंसल	राकेश कुमार	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

50. नवजात शिशु में शारीरिक विविधताएँ 502
संयोजक: ***एन कार्तिक नागेश***
सदस्य: संजय एम अहेर, शशिकांत धीर, तुषार बी पारिख

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
विश्वजीत मिश्रा	नरेंद्र नानिवडेकर	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

51. जन्म के समय कम वजन वाले नवजात शिशु की देखभाल 515
संयोजक: ***हृषीकेश ठाकरे***
सदस्य: सुमन राव, हरिप्रिया कमिरेड्डी, सुभाष चन्द्र शाह

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
मल्लेश गोव्वाडा	अनंत केतकर	उषा बांगा	अशोक बांगा

52. एक बीमार नवजात शिशु को कैसे पहचाने? 528
संयोजक: ***नंदकिशोर एस काबरा***
सदस्य: जयंत जी जोशी, परमानन्द जी अंदनकर, सात्विक बंसल

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
ऋषिकेश ठाकरे	राकेश कुमार	मधुश्री देशपांडे	अशोक बांगा

53. नवजात शिशु का पीलिया 541
संयोजक: ***सुषमा नांगिया***
सदस्य: अंजलि कुलकर्णी, अशोक कुमार, रुचि एन नानावटी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सुदीप दत्ता	नरेंद्र नानिवडेकर	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

54. जन्म दोष (जन्मजात विसंगतियां) 548
संयोजक: ***रूपा एम बेलाड***
सदस्य: मोहित साहनी, प्रवीण वेंकटगिरी, सिन्धु शिवनंदन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अनिल एस राउत	राकेश चन्द्र भारद्वाज	राकेश कुमार	अशोक बांगा

खंड 9: हृदय संबंधी विकार

55. जन्मजात हृदय रोग से ग्रस्त बच्चे की देखभाल 558
संयोजक: ***मनीषा चक्रवर्ती***
सदस्य: पूथिरिकोविल वेणुगोपालन, स्मिता मिश्रा, एच रवि राममूर्ति

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
देवेंद्र सरीन	दिनेश एन त्रिपाठी	शिखा गर्ग	रिमझिम श्रीवास्तव

56. बच्चों में रक्तचाप की जाँच का महत्व 570
संयोजक: ***अरविंद बग्गा***
सदस्य: अदिति सिन्हा, भवन दीप गर्ग, सरोज पटनायक

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
माधुरी कानिटकर	राकेश कुमार	सुरेश शर्मा	अशोक बांगा

57. हृदय शल्य चिकित्सा के बाद अपने बच्चे की देखभाल 578
संयोजक: ***पार्वती यू अय्यर, कृष्णा एस अय्यर***
सदस्य: दीपक चांगलानी, मुनेश के तोमर, नलिनीकांत पानीग्रही

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	नरेंद्र नानिवडेकर	राकेश चन्द्र भारद्वाज	अशोक बांगा

खंड 10: अंतःस्रावी विकार

58. मेरे बच्चे का विकास ठीक से नहीं हो रहा है: निगरानी और प्रबंधन कैसे करें? 590
संयोजक: ***पीएसएन मेनन***
सदस्य: पी रामचन्द्रन, वामन वी खाडिलकर, वरुणा व्यास

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
मो रियाज	राकेश चन्द्र भारद्वाज	निर्मला जोशी	अशोक बांगा

59. वक़्त से पहले और देर से यौवनारम्भ 599
संयोजक: ***विजयलक्ष्मी भाटिया***
सदस्य: आराधना सिंह, आई रियाज, सुधा राव

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आनंद एस देशपांडे	राकेश कुमार	राकेश चन्द्र भारद्वाज	अशोक बांगा

60. जन्मजात और उपार्जित हाइपोथायरायडिज्म 606
संयोजक: ***रुचि पारिख***
सदस्य: आरती ए किनीकर, आशीष पाठक, एम विजयकुमार

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
महेश माहेश्वरी	दिनेश एन त्रिपाठी	राकेश चन्द्र भारद्वाज	अशोक बांगा

61. मधुमेह या डायबिटीज मेलिटस वाले बच्चे की देखभाल 619
संयोजक: ***आलोक गुप्ता***
सदस्य: अंजू विरमानी, दीपिका हरित, नेहा भिसे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पीएसएन मेनन	नरेंद्र नानिवडेकर	उत्कर्ष बन्सल	अशोक बांगा

खंड 11: जठरांत्रिय विकार

62. दस्त 632

संयोजक: ***धीरज शाह***

सदस्य: नीटू शर्मा, अशोक कुमार राय, अमरेंद्र ओबेरॉय

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	सुरेश शर्मा	चंद्रशेखर दाभाडकर	अशोक बांगा

63. सीलिएक रोग वाले बच्चे की देखभाल 642

संयोजक: ***सुनीता राजानी***

सदस्य: आभा नागराल, ललित भराडिया, सुषमा नारायण

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
राकेश जोरा	रिमझिम श्रीवास्तव	डी एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

64. बच्चे में कब्ज 654

संयोजक: ***राजीव रेडकर***

सदस्य: डिंपल जैन, मेघना फड़के, तरूण पाटनी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
बीरेंद्र कुमार सिंह	राकेश कुमार	डी एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

65. पेट में दर्द की पुनरावृत्ति से कैसे निपटें? 660

संयोजक: ***वी. एस. शंकरनारायणन***

सदस्य: नीता राजेश नाथानी, राजिंदर गुलाटी, श्रीनिवास शंकरनारायणन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
सुजीत कुमार सिन्हा	नरेंद्र नानिवडेकर	राकेश कुमार	अशोक बांगा

66. क्रोनिक (दीर्घकालिक) लीवर (यकृत) रोग से पीड़ित बच्चे की देख–रेख 668

संयोजक: ***मोइनक सेन शर्मा***

सदस्य: नीलम मोहन, शाइस्ता अमीन, श्रीश भटनागर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
विष्णु बिरादर	रिमझिम श्रीवास्तव	अनंत केतकर	अशोक बांगा

खंड 12: रक्त संबंधी विकार

67. थैलेसीमिया: माता–पिता को क्या जानना चाहिए? 680

संयोजक: ***ममता मंगलानी***

सदस्य: शांतनु देब, राजीव कुमार बंसल, के मुथुकुमार

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पूजा दीवान	किरण माखीजा	अनंत केतकर	अशोक बांगा

68. हीमोफीलिया 690

संयोजक: ***नीता राधाकृष्णन***

सदस्य: श्रुति कक्कड़, स्वाति आर कनकिया, विजय जयसवाल

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
भरत अग्रवाल	अरुण आर्या	राकेश कुमार	रिमझिम श्रीवास्तव

69. मेरे बच्चे का रंग फीका है (एनीमिया) 704

संयोजक: ***दीपक बंसल***

सदस्य: देवाशीष दास, नितिन के शाह, पी वेलुसामी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अल्लादी यशोवंत राव	सुरेश शर्मा	किरण माखीजा	अशोक बांगा

70. ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चे की देखभाल 711

संयोजक: ***गौरव खर्या***

सदस्य: गौरव नरूला, मौसमी रॉय चौधरी प्रशांत वी करिया

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पूजा दीवान	अरुण आर्या	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

71. कैंसर से पीड़ित बच्चों की देखभाल के अभिभावकों के लिए दिशानिर्देश 723
संयोजक: ***अर्पिता भट्टाचार्य***
सदस्य: बीबी साहनी, मानस कालरा, पूर्णा ए कुरकुरे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पूजा दीवान	नरेंद्र नानिवडेकर	राकेश कुमार	अशोक बांगा

72. अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण/स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद देखभाल 730
संयोजक: ***सुनील भट्ट***
सदस्य: अश्वनी अग्रवाल, अश्विन पांडे, विनीता गुप्ता, संतोष असंगी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पूजा दीवान	सतीश अग्रवाल	अनंत केतकर	अशोक बांगा

73. कैंसर मुक्त हो चुके बच्चों की देखभाल 743
संयोजक: ***रत्ना ए शर्मा***
सदस्य: ए सोमसुंदरम, संजीव खेड़ा, यज्ञेश ओ पोपट

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
विनीता गुप्ता	नरेंद्र नानिवडेकर	डी एन त्रिपाठी	रिमझिम श्रीवास्तव

खंड 13: तंत्रिका तंत्र विकार

74. लकवाग्रस्त बच्चे की घर पर देखभाल 748
संयोजक: ***हर्ष पटेल***
सदस्य: अजय श्रीवास्तव, ओंकार पी हजीर्निस, सुषमा उत्तम सावे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आरुषि गहलोत	शिखा गर्ग	अनंत केतकर	अशोक बांगा

75. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चे की घरेलू देखभाल हेतु दिशा निर्देश 759
संयोजक: ***विशाल सोंधी***
सदस्य: रुचिका झा, अनिल श्रीराम राउत, रश्मी गुप्ता, वसंत एम खलतकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
संजय निरंजन	सतीश अग्रवाल	राकेश भारद्वाज	अशोक बांगा

76. डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित बच्चे की देखभाल 775
संयोजक: ***अंकिता पाल***
सदस्य: जेएन गोस्वामी, ज्योत्सना आर. श्रीवास्तव, संजय निरंजन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आरुषि गहलोत	नरेंद्र नानिवडेकर	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

77. मिर्गी से पीड़ित बच्चे की देखभाल 790
संयोजक: ***रनजीथ कुमार मनोकरन***
सदस्य: अंजू अग्रवाल, कोनिका बंसल, मार्गी जे देसाई

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
देवेन्द्र मिश्रा	उत्कर्ष बंसल	सीपी बंसल	अशोक बांगा

78. सक्रिय दौरे की घटना: क्या करें? 797
संयोजक: ***ऋषि अरोरा***
सदस्य: अनूप कुमार वर्मा, रचना दुबे गुप्ता, शिल्पा कुलकर्णी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
आरुषि गहलोत	उत्कर्ष बंसल	नमिता श्रीवास्तव	रिमझिम श्रीवास्तव

79. बुखारी दौरे से पीड़ित बच्चे की देखभाल 804
संयोजक: ***जय शंकर कौशिक***
सदस्य: भवानी मणिलाल मिठिया, एस श्रीकृष्णा, संगीता योगनाथन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जननी शंकर	उत्कर्ष बंसल	सुरेश शर्मा	अशोक बांगा

खंड 14: श्वसन संबंधी विकार

80. मेरे बच्चे को बुखार के साथ खांसी है। क्या करूँ? 812
संयोजक: ***महेश मोहिते***
सदस्य: गीता डी खन्ना, प्रशांत बी जाधव, एस वेंकटेश्वरन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जयन्त कुमार उपाध्याय	राज तिलक	नमिता श्रीवास्तव	अशोक बांगा

81. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चे की देखभाल 819
संयोजक: ***सुशील के काबरा***
सदस्य: लेफ्टिनेंट कर्नल अरविंद कुमार, प्रवीण कुमार, राजेश कुमार राय

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
नरेंद्र नानिवडेकर	नरेंद्र नानिवडेकर	पियाली भट्टाचार्य	अशोक बांगा

82. एलर्जिक राइनाइटिस 828
संयोजक: ***सुशांत एस माने***
सदस्य: माला रमन, नीरज गुप्ता, प्रिंस पारख

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
स्वर्गीय के नागराजू, मनमीत सोंधी	राज तिलक	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

83. अस्थमा का तीव्र प्रकोप: क्या करें? 837
संयोजक: ***एनके सुब्रमण्यम***
सदस्य: जी सुधाकर, अश्विन अरोड़ा, बरनाली भट्टाचार्य, नारायण पी मोदी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
स्वपन कुमार रे	राज तिलक	नरेंद्र नानिवडेकर	अशोक बांगा

84. दीर्घकालीन दमा की घरेलू देखभाल 846
संयोजक: ***अरविंद शाह***
सदस्य: अतनु भद्र, जगदीश प्रसाद गोयल, विनोद एच. रतगेरी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
कंदक्तला नरहरि	राज तिलक	राकेश भारद्वाज	रिमझिम श्रीवास्तव

85. ऑक्सीजन और वेंटिलेशन पर बच्चे की घरेलू देखभाल 853
संयोजक: ***संतोष सोन्स***
सदस्य: आशीष कुमार सिमल्टी, लोकेश गुगलानी, लोकेश कुमार तिवारी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	अनंत केतकर	अशोक बांगा

86. बार-बार खाँसी से पीड़ित बच्चे की देखभाल 863
संयोजक: ***दीपक उग्रा***
सदस्य: राजीव गुप्ता, श्रेया अग्रवाल, सौम्या धूलिपाला

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राज तिलक	राकेश कुमार	अशोक बांगा

खंड 15: गुर्दे संबंधी विकार

87. नेफ्रीटिक सिंड्रोम बीमारी से ग्रस्त बच्चे की देखभाल 872
संयोजक: ***श्रीराम कृष्णमूर्ति***
सदस्य: बी राजशेखर, सुप्रिता कालरा, आशुतोष महापात्रा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	दिनेश एन त्रिपाठी	राकेश कुमार	अशोक बांगा

88. बार-बार होने वाले मूत्र मार्ग संक्रमण से ग्रस्त बच्चे की देखभाल 879
संयोजक: ***अनिल वासुदेवन***
सदस्य: दारू रंगनाथ, तथागत बोस, रंजीत थेरगांवकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पी अनिल कुमार	मुकुल तिवारी	दिनेश एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

89. गुर्दे और मूत्र तंत्र प्रणाली की जन्मजात विसंगतियाँ 887
संयोजक: ***राजीव सिन्हा***
सदस्य: अभिजीत साहा, आनंद वासुदेव, अतुल बी देवकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
अदिति सिन्हा	नरेंद्र नानिवडेकर	उषा बांगा	रिमझिम श्रीवास्तव

90. दीर्घकालिक गुर्दा रोग से ग्रसित बच्चे की देखभाल 900
संयोजक: ***अर्पणा ए अयंगर***
सदस्य: ओपी मिश्रा, पंकज वी देशपांडे, रघुनाथ सीएन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
बैचू राजशेखर	दिनेश एन त्रिपाठी	नमिता श्रीवास्तव	रिमझिम श्रीवास्तव

खंड 16: विविध

91. त्वचा की एलर्जी वाले बच्चे की देखभाल 912
संयोजक: ***दिवंगत के नागराजू***
सदस्य: ए अरुमुगम, मंगई सिन्हा, विवेक सक्सैना

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
नारायण पी मोदी	राज तिलक	अनंत केतकर	रिमझिम श्रीवास्तव

92. पर्यावरण प्रदूषण 922
संयोजक: ***जगदीश चिन्नप्पा***
सदस्य: बीरेंद्र कुमार सिंह, एम आरिफ अहमद, उत्कर्ष शर्मा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
एच परमेश	राज तिलक	अश्वनी अग्रवाल	अशोक बांगा

93. जब किसी बच्चे को कुत्ता काट ले? 933
संयोजक: ***अनुराग अग्रवाल***
सदस्य: डी बाला चंद्र, दिनेश तोमर, रितेश छाबड़ा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
मनीष आर्या	राकेश कुमार	राकेश चन्द्र भारद्वाज	अशोक बांगा

94. बच्चों तथा किशोरों में मादक पदार्थों का सेवन 943
संयोजक: ***जेसन उन्नी***
सदस्य: अब्राहम के पॉल लेफ्ट. कर्नल अभिषेक, आलोक गुप्ता

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
ओम शंकर चौरसिया	स्वाती घाटे	दिनेश एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

95. आनुवंशिक विकार: पुनरावृत्ति को कैसे रोकें? 953
संयोजक: ***मधुलिका काबरा***
सदस्य: गिरिशा कट्टा, कुलदीप सिंह, वी एच शंकर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	शिखा गर्ग	मुकुल तिवारी	अशोक बांगा

96. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चे की देखभाल 965
संयोजक: ***नीरजा गुप्ता***
सदस्य: कौशिक मंडल, नीना पीयूष वैद्य, रीना गुलाटी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	अनंत केतकर	रिमझिम श्रीवास्तव

97. रुमेटोलोजिकल रोग या वात रोग/गठिया संबंधी रोग 974
संयोजक: ***नरेंद्र कुमार बागड़ी***
सदस्य: नूतन कमठ, विजय विश्वनाथन, राकेश मण्डल

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जननि शंकर	नरेंद्र नानिवडेकर	राकेश भारद्वाज	अशोक बांगा

98. बाल-श्रम और बच्चों के अधिकार 983
संयोजक: ***स्वाति वाई भावे***
सदस्य: प्रशांत कुमार सबोथ, राज कुमार गुप्ता, एसएस कामथ

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
जॉय भादुड़ी	एकांश राठौरिया	अनंत केतकर	अशोक बांगा

99. मैं एक बच्चा गोद लेना चाहता हूँ 991
संयोजक: ***(लेफ्टिनेंट कर्नल) अचिंता के आर मलिक***
सदस्य: अरुण जैन, नीलेश बैंकर, स्वपन कुमार रे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
पीयूष खन्ना	आर एन द्विवेदी	अनंत केतकर	अशोक बांगा

100. बच्चों में दीर्घकालिक रोग 999
संयोजक: ***अतुल गुप्ता***
सदस्य: जीतेंद्र बी. गव्हाणे, नीली रामचंदर

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
एस. सीतारमन	मधुश्री देशपांडे	अनंत केतकर	अशोक बांगा

101. गंभीर रूप से बीमार बच्चे की देखभाल 1014
संयोजक: ***धीरेन गुप्ता***
सदस्य: मिन्हाज ए शेख, जोसेफ जॉन, विनय एच जोशी

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	दिनेश एन त्रिपाठी	अशोक बांगा

102. प्राथमिक चिकित्सा दिशानिर्देश 1021
संयोजक: ***सुजाता त्यागराजन***
सदस्य: करुणा थापर, मानब न बरुआह, संजीव लेविन

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	नरेंद्र नानिवडेकर	स्वाती घाटे	अशोक बांगा

103. बच्चों में कोरोना वायरस रोग–2019 – माता–पिता के लिए सूचना (25 अप्रैल 2021 तक) 1031
संयोजक: ***महेश ए मोहिते, बकुल पारेख, दीपक उग्रा***

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश कुमार	अनंत केतकर	रिमझिम श्रीवास्तव

104. बच्चों के लिए योग 1037
संयोजक: ***हेमन्त भार्गव***
सदस्य: निशिता जस्ती, शालू ई अब्राहम, शुभम शर्मा

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	राकेश चन्द्र भारद्वाज	नमिता श्रीवास्तव	रिमझिम श्रीवास्तव

105. कोविड महामारी के दौरान बच्चों की मानसिक समस्याएँ 1047
संयोजक: ***प्रीति गलागली***
सदस्य: समीर दलवई, स्वाती घाटे

समीक्षक	हिन्दी अनुवाद	प्रथम पुनरावलोकन	द्वितीय पुनरावलोकन
	स्वाती ए घाटे	राकेश कुमार	उषा बांगा

2

टीकाकरण द्वारा रोगों की रोकथाम

अनुभाग

- टीकाकरण के लिए सुझाव
- टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं से निपटना

JAYPEE BROTHERS

भारतीय बाल रोग अकादमी (आईएपी)

माता-पिता के लिए दिशा निर्देश

टीकाकरण के लिए सुझाव



संयोजक: संजय श्रीरामपुर

सदस्य: जोस ओसेफ, संजय वर्मा, श्याम कुकरेजा

समीक्षक: देवजीत कुमार शर्मा

हिन्दी अनुवाद: नरेंद्र नानिवडेकर

प्रथम पुनरावलोकन: अशोक बांगा

द्वितीय पुनरावलोकन: अशोक बांगा

JAYPEE BROTHERS

टीकाकरण के लिए सुझाव: 10 सबसे ज्यादा पुछे जानेवाले सवाल

1ए. टीके क्या है और मुझे अपने बच्चे को टीके लगवाने की आवश्यकता क्यों है?
1बी. टीके कैसे काम करते है?
2. अपने बच्चे को टीकाकरण के लिए कब ले जाना चाहिए? भारत में कौन से टीकाकरण कार्यक्रम उपलब्ध है?
3. बच्चे का टीकाकरण किस उम्र में शुरू होना चाहिए? भारत सरकार और IAP द्वारा प्रस्तावित टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताइए।
4. मेरा बच्चा इंजेक्शन से डरता है और टीके बहुत सारे है। क्या टीकाकरण का मतलब हमेशा इंजेक्शन होता है? मुझे डर है कि आप मेरे बच्चे का शरीर छलनी कर दोंगे।
5. क्या टीके आजीवन सुरक्षा प्रदान करते है? बच्चों को कुछ टीकों की इतनी अधिक खुराक की आवश्यकता क्यों होती है?
6. टीकाकरण के लिए जाने से पहले, उसके दौरान और उसके बाद में हमे कौन सी बातें याद रखनी चाहिए?
7. यदी टीका लगवाने में देरी हो या टीका छूट जाए तो हमें क्या करना चाहिए? क्या संपूर्ण टीकाकरण के बाद भी कोई बीमारी होना संभव है?
8. यदि किसी बच्चे को पहले से ही टीके से बचाव योग्य बीमारी हो चुकी है, तो क्या बच्चे को अभी भी टीका लगाया जाना चाहिए?
9. हम वास्तव में विभिन्न टीकों से जुडे गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंतित है। पोलियो ड्रॉप्स से नपुंसकता और खसरे के टीके से ऑटिज्म होता है, इस बारे में आपका क्या कहना है? क्या इन मान्यताओं में कोई तथ्य है या ये सिर्फ अफवाहें है?
10. मेरे बच्चे को तय कार्यक्रम के अनुसार सभी टीके लग गए है, क्या उसे अभी भी सामूहिक अभियान (Pulse Program) के दौरान टीका लगवाना चाहिए? मुझे डर है कि इतने सारे टीकों की वजह से उसके सिस्टम को ओवर लोड ना कर दे। डॉक्टर, इस बारे में आपके क्या विचार है?

आईएपी कार्य योजना 2021-2022 के तत्वावधान में

पीयूष गुप्ता — आईएपी अध्यक्ष 2021
रेमेश कुमार आर — आईएपी अध्यक्ष चयनित 2021
बकुल जयंत पारेख — आईएपी अध्यक्ष 2020
जी वी बसवराज — आईएपी एचएसजी 2020–2021
दीपक उग्रा — राष्ट्रीय समन्वयक

11

टीकाकरण के लिये सुझाव

टीकों का प्रभाव

विज्ञान के इतिहास में टीके शीर्ष 20 खोजों में से एक है। हम दुनिया से चेचक का सफलतापूर्वक उन्मूलन करने में कामयाब हुए है; विश्व के दो देशों को छोड़कर बाकी सभी देशों से पोलियो का सफाया कर चुके है; अगले 5 वर्षों में खसरे को ख़त्म करने की उम्मीद रखते है; और डिप्थीरिया, टिटनेस, रेबीज, काली खाँसी, हेपेटाइटिस बी, टाइफाइड, छोटी माता आदि जैसी बीमारियों से संक्रमण और मृत्यु को काफी हद तक कम कर सके है।

प्र.1ए

टीके क्या है और मुझे अपने बच्चे को टीके लगवाने की आवश्यकता क्यों है?

टीके संभवतः बीमारियों की रोकथाम के लिए मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे उपयोगी और लागत- प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन है। टीके जटिल जैविक एजेंट है जो आपको पहले बीमार हुए बिना किसी विशेष बीमारी के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते है। उनमें या तो कमजोर रोग पैदा करने वाले रोगाणु होते है, जो या तो मार दिए जाते है, क्षीण किये जाते है, या इस रोग पैदा करने वाले रोगाणु का एक हिस्सा भर होते है। टीकों में कुछ अन्य घटक, जैसे सहायक पदार्थ भी होते है जो टीके की शक्ति को बढ़ाते है, a) स्टेबलाइजर्स (Stabilizers) जो टीके की स्थिरता को बढ़ाते है और b) योजक (Additives) जो निर्माण प्रक्रिया के दौरान जोड़े जाते है। याद रखें कि किसी भी और स्वास्थ्य हस्तक्षेप पर पैसा खर्च करने की तुलना में टीकाकरण में पैसा निवेश करना अधिक बुद्धिमान निर्णय है। एक बार जब कोई बच्चे को इन्फेक्शन होने के बाद माता-पिता को न केवल इलाज में भारी रकम खर्च करनी पड़ती है, बल्कि स्कूल के कई दिनों का नुकसान, माता-पिता द्वारा काम का अवकाश और अन्य सामाजिक मुद्दों का भी सामना करना पड़ता है। और ऐन्टीबायटिक-रेसिस्टेंस और अन्य कारणों के अलावा कोई भी संक्रमणों के लिए सफल उपचार की गारंटी भी नहीं दे सकता है।

JAYPEE BROTHERS

प्र. 1ब

टीके कैसे काम करते है?

जब भी कोई बीमारी पैदा करने वाला रोगाणु पहली बार हमारे शरीर में प्रवेश करता है, तो तीन चरण होते है:

1. हमारा शरीर रोगाणु को एक विदेशी आक्रमणकारी के रूप में पहचानता है।
2. हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (Immunity) सक्रिय हो जाती है, जो प्रतीपिंड (Antibody) का उत्पादन करके रोगाणु को मारने या निष्क्रिय करने का प्रयास करती है। ये सुरक्षात्मक तंत्र हमें इन रोगाणुओं से होने वाली बीमारी से उबरने में मदद करते है।
3. एक बार जब हमारा शरीर रोगाणु को एक विदेशी आक्रमणकारी के रूप में पहचान लेता है, तो वह इस जानकारी को याद रखता है। इसलिए, जब वही रोगाणु दूसरी बार हमारे शरीर पर आक्रमण करने की कोशिश करता है, तो हमारा शरीर तुरंत प्रतीपिंडो (antibodies) का उत्पादन शुरू कर देता है और हमें बीमार होने से बचाता है। इसे "प्रतिरक्षा स्मृति" (immune memory) कहा जाता है।

टीकाकरण के दौरान, पहले चरण में रोगाणु की जगह टीका लगाया जाता है और इसके बाद प्रतिरक्षा स्मृति आती है। टीके हमारे शरीर को इतना सक्षम बनाते है कि वह रोगाणुओं के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता (प्रतिपिंड) पैदा कर सके, जिससे उनमें कोई रोग (बीमारी) पैदा न हो। जब हम रोग पैदा करने वाले रोगाणु के संपर्क में आते है तो यह प्रतिरक्षा हमें बीमारी से बचाने में मदद करती है।

प्र. 2

अपने बच्चे को टीकाकरण के लिए कब ले जाना चाहिए? भारत में कौन से टीकाकरण कार्यक्रम उपलब्ध है?

प्रत्येक देश में उस आबादी के लिए विभिन्न टीकों की आवश्यकता के आधार पर टीकाकरण कार्यक्रम उपलब्ध है। यह बीमारी के बोझ, सुरक्षित और प्रभावी टीकों की उपलब्धता और लागत और लॉजिस्टिक्स (वितरण श्रृंखला व्यवहार्यता) पर निर्भर करता है। "शेड्यूल" आपको उम्र के अनुसार बताता है कि आपको अपने बच्चे को कौन से टीके देने की आवश्यकता है। इन टीकाकरण कार्यक्रमों को तैयार करने में बहुत सारे प्रयास किए जाते है, जिसमें विभिन्न कारकों पर विचार किया जाता है, जिसमें शुरुआती उम्र भी शामिल है जिस पर एक विशेष टीका सुरक्षित और प्रभावी होता है। अक्सर, टीकाकरण अनुसूची में सुई चुभन की संख्या और अस्पताल के दौरे की संख्या को कम करने के लिए कई टीके एक साथ लगाए जाते है। बहुत से विशेषज्ञ इन शेड्यूल को नवीनीकरण करने के लिए नियमित रूप से प्रयास करते है।

JAYPEE BROTHERS

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम

भारत में, वर्तमान में दो प्रकार के टीकाकरण कार्यक्रम उपलब्ध है। एक, जिसे राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची (NIS) कहा जाता है, सरकार द्वारा पूरे देश में निःशुल्क दिया जाता है। इसमें न्यूनतम टीके शामिल है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भारत में हर बच्चे को मिलना चाहिए। टीकाकरण पर विशेषज्ञों का राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (NTAGI) सरकार को NIS में उपलब्ध टीकों के उपयोग के बारे में सलाह देता है। इतने बड़े देश के लिए टीकाकरण कार्यक्रम तैयार करते समय, वे विभिन्न कारकों पर विचार करते है जैसे कि लागत, वितरण श्रृंखला व्यवहार्यता, टीकों की उपलब्धता आदि।

भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी टीकाकरण कार्यक्रम

दूसरे की सिफारिश भारतीय बाल अकादमी (IAP) टीकाकरण अनुसूची द्वारा की जाती है। इसमें कई अतिरिक्त टीके भी शामिल है, जिनकी जरूरत है और देश में उपलब्ध है, लेकिन अभी तक राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची का हिस्सा नहीं है। टीके और टीकाकरण प्रथाओं पर विशेषज्ञों की सलाहकार समिति (ACVIP) इस अनुसूची को तैयार करने और नियमित रूप से नवीनीकरण करने के लिए IAP की सर्वोच्च संस्था है। IAP टीकाकरण कार्यक्रम वर्तमान में किसी भी बच्चे पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत में उपलब्ध सबसे अच्छा संभव टीकाकरण कार्यक्रम है, भले ही लागत कुछ भी हो। इन दो टीकाकरण कार्यक्रमों (जिन्हें नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है) के बारे में जानकारी उनकी संबंधित वेबसाइटों से प्राप्त की जा सकती है, जिन्हें नियमित रूप से नवीनीकरण किया जा रहा है (www. mohfw.gov.in; www.acvip.com) माता-पिता के रूप में, आपसे इन टीकाकरण कार्यक्रमों के बारे में जानने की अपेक्षा की जाती है, ताकि आप अपने बच्चे के टीकाकरण के लिए सर्वोत्तम संभव निर्णय ले सकें। समय पर टीकाकरण आपके बच्चे को समुदाय में मौजूद विभिन्न घातक बीमारियों से बचाने में काफी मदद करेगा। आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप जहां भी रहें, अपने देश के विशिष्ट टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें।

प्र. 3

बच्चे का टीकाकरण किस उम्र में शुरू होना चाहिए? भारत सरकार और IAP द्वारा प्रस्तावित टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताइए।

टीके इस तरह से दिए जाते है कि टीकाकरण उस उम्र से पहले किया जाए जिस उम्र में कोई बीमारी होती है। टीकाकरण प्रत्येक बच्चे के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है, इसलिए इसे जन्म के तुरंत बाद शुरू किया जाना चाहिए।

वर्तमान टीकाकरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची (NIS) और IAP टीकाकरण कार्यक्रम दोनों को क्रमशः **तालिका 1 और 2** में संक्षेपित किया गया है।

तालिका 1: वर्तमान राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची

आयु	टीके
जन्म	बीसीजी (BCG), हेपेटाइटिस बी जन्म खुराक, ओपीवी 0 OPV
6 सप्ताह	1*पेंटावैलेंट-1 (डीटीडब्ल्यूपी DTwP + एचआईबी Hib + हेपेटाइटिस बी HB), ओपीवी1(OPV-1), रोटावायरस-1 RVV-1, पीसीवी1 PCV1*, एफआईपीवी-1 आंशिक खुराक (f-IPV)
10 सप्ताह	पेंटावेलेंट-2 (डीटीडब्ल्यूपी DTwP + एचआईबी Hib + हेपेटाइटिस बी HB), ओपीवी2 OPV2, रोटावायरस-2 RVV-2
14 सप्ताह	पेंटावैलेंट-3 (डीटीडब्ल्यूपी DTwP + एचआईबी Hib + हेपेटाइटिस बी), ओपीवी3 OPV3, रोटावायरस-3 RVV-3, पीसीवी PCV-2, एफआईपीवी-2 आंशिक खुराक (f-IPV)
9–12 महिने	एमआर-1**, जेई-1 JE-1*** पीसीवी3 PCV-3*बूस्टर
16–24 महिने	एमआर-2**, जेई-2 JE-2*** ओपीवी4 OPV4 डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टेटनस (डीपीटी)-बूस्टर-1
5–6 सप्ताह	डीपीटी-बूस्टर-2
10 और 15 सप्ताह	डीटी टेटनस और वयस्क डिप्थीरिया (टीडी)

(BCG टीबी की वैक्सिन; DT: डिप्थीरिया और टेटनस की वैक्सिन डीटीडब्ल्यूपी DTwP: डिप्थीरिया, टेटनस एवं काली खाँसी की वैक्सिन : fIPV पोलियोवायरस वैक्सीन; एचआईबी Hib: हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी; जेई: जापानी एन्सेफलाइटिस JE; एमआर: खसरा और रूबेला वैक्सीन; ओपीवी: मौखिक पोलियो वैक्सीन OPV; पीसीवी PCV: न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन)
टिप्पणी: *पीसीवी PCV को चरणबद्ध तरीके से पेश किया जा रहा है, वर्तमान में केवल कुछ राज्यों में। **खसरे को चरणबद्ध तरीके से एमआर वैक्सीन से बदला जा रहा है, वर्तमान में कुछ को छोड़कर अधिकांश राज्यों में दिया जा रहा है। ***जेई टीका देश के केवल चिन्हित स्थानिक जिलों में ही दिया जाता है।

IAP KHEL BROTHERS

तालिका 2: वर्तमान भारतीय बाल अकादमी (IAP) टीकाकरण कार्यक्रम	
आयु	टीके
जन्म	बीसीजी, हेपेटाइटिस बी, ओपीवी 0
6 सप्ताह	डीटीडब्ल्यूपी DTwP/डीटीएपी DTaP + हिब Hib + हिपॅटायटीस बी + आयपीव्ही-1 IPV, रोटाव्हायरस-1*, पीसीवी-1 PCV
10 सप्ताह	डीटीडब्ल्यूपी DTwP/डीटीएपी DTaP + हिब Hib + हिपॅटायटीस बी + आयपीव्ही-2, रोटाव्हायरस-2*, पीसीव्ही-2
14 सप्ताह	डीटीडब्ल्यूपी DTwP/डीटीएपी DTaP + एचआयबी + हिपॅटायटीस बी + आयपीव्ही-3, रोटाव्हायरस-3*, पीसीव्ही-3
6 महिने	एन्फ़्लुएन्जा-1
7 महिने	एन्फ़्लुएन्जा-2
6-9 महिने	टायफाइड कन्जुगेट लस (टीसीव्ही)
9 महिने	एमएमआर 1 खसरा,कंठमाला रुबेला
12 महिने	हिपॅटायटीस-ए 1
15 महिने	एमएमआर-2, वैरिसेला-1 (छोटी माता)
16-18 महिने	डीटीडब्ल्यूपी DTwP/डीटीपी + एचआयबी + आयपीव्ही-4, पीसीव्ही-4, वैरिसेला-2, हिपॅटायटीस-ए 2**
2 साल	एन्फ़्लुएन्जा***
3 साल	एन्फ़्लुएन्जा***
4 साल	एन्फ़्लुएन्जा***
5 साल	एमएमआर 3, डीटीडब्ल्यूपी DTwP/डीटीपी + आयपीव्ही 5
10 साल 10- साल	HPV-2****
15-18 वर्ष	एच.पी.वी. 3 खुराकें; 0-2-6 माह (यदि पहले नहीं दी गई हो)

(BCG टीबी की वैक्सिन; DT: डिप्थीरिया और टेटनस की वैक्सिन डीटीडब्ल्यूपी DTwP: डिप्थीरिया, टेटनस एवं काली खाँसी की वैक्सिन : IPV पोलियोवायरस वैक्सीन; एचआईबी Hib: हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी; एचपीवी: ह्यूमन पेपिलोमा वायरस वैक्सीन; जेई: जापानी एन्सेफलाइटिस; एमएमआर: खसरा, कण्ठमाला और रूबेला वैक्सीन; ओपीवी: मौखिक पोलियो वैक्सीन; पीसीवी PCV: न्यूमोकोकल कंजुगेट टीका; टीडी: टेटनस, कम खुराक डिप्थीरिया टॉक्सोइड; टीडीएपी: टेटनस और डिप्थीरिया टॉक्सोइड और एक सेलुलर पर्टुसिस वैक्सीन)

प्र. 4

मेरा बच्चा इंजेक्शन से डरता है और टीके बहुत सारे है। क्या टीकाकरण का मतलब हमेशा इंजेक्शन होता है? मुझे डर है कि आप मेरे बच्चे का शरीर छलनी कर दोगे।

अधिकांश टीके इंजेक्शन द्वारा दिए जाते है, लेकिन सभी नहीं। पोलियो, हैजा और रोटावायरस जैसे कुछ टीके है जो मुख के द्वारा बूंदों के रूप में दिए जाते है। कुछ टीके जैसे इन्फ्लूएंजा के टीके नाक में स्प्रे के रूप में दिए जाते है। हालाँकि लगभग 20 बीमारियों के लिए टीकाकरण मौजूद है, लेकिन इसका मतलब 20 इंजेक्शन लगाना नहीं है। कई टीके मिला के दिए जाते है। डिप्थीरिया, टेटनस, काली खाँसी, हेपेटाइटिस, एच। इन्फ्लूएंजा और पोलियो के खिलाफ टीके एक ही इंजेक्शन के रूप में आते है। वर्तमान में, बहुत सारे शोध टीकों के वितरण के तरीकों को बेहतर बनाने और इंजेक्शन के कारण होने वाले दर्द को कम करने पर केंद्रित है।

JAYPEE BROTHERS

प्र.5

क्या टीके आजीवन सुरक्षा प्रदान करते है? बच्चों को कुछ टीकों की इतनी अधिक खुराक की आवश्यकता क्यों है?

कुछ टीके ऐसे है, जो आजीवन सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता रखते है। लेकिन किसी विशेष टीके को कितनी बार देना है, यह कई कारणो पर निर्भर करते है। Inactivated टीकों के मामलों में बार-बार खुराक की आवश्यकता होती है, जहां प्रतिरक्षा चरणों में बनती है और प्रत्येक खुराक पहले की तुलना में अधिक शक्तिशाली प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करती है। इसलिए, अधिकांश निष्क्रिय टीकों के लिए, लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई खुराक आवश्यक है। इसके विपरीत, Live टीके एक खुराक के साथ भी एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करते है, लेकिन कुछ Live टीकों में दूसरी खुराक दी जाती है क्योंकि कुछ बच्चों में पहली खुराक पूरा असर नहीं दिखाती (poor uptake of vaccine)

प्र.6

टीकाकरण के लिए जाने से पहले, दौरान और बाद में हमें कौन सी बातें याद रखनी चाहिए?

- कृपया अपने बच्चों के टीकाकरण का रिकॉर्ड अपने साथ ले जाएं।
- डॉक्टर को बताएं कि क्या उन्हें पहले भी टीकाकरण के बाद आपके बच्चे को कोई परेशानी हुई थी। डॉक्टर को बताएं कि क्या आपके बच्चे को कोई एलर्जी है। अगर आपके बच्चे को कोई लंबी बीमारी है तो डॉक्टर को इसकी जानकारी दें।
- डॉक्टर से पूछें कि क्या इस टीकाकरण के बाद आपके बच्चे को कुछ असुविधा या बुखार हो सकता है।
- टीके लगवाने की अस्पताल विज़िट आम तौर पर बच्चे की वेल-बेबी विज़िट के समान होती है; कृपया अपने बच्चे के पोषण या विकास के संबंध में भी अपनी चिंताएँ व्यक्त करें।
- आपका डॉक्टर आपको टीकाकरण के बाद 30 मिनट तक इंतजार करने के लिए कह सकता है। इसका उद्देश्य किसी भी तात्कालिक प्रतिक्रिया के लिए बच्चे का निरीक्षण करना है।
- डॉक्टर के पास जाने के लिए बच्चे को डराएं नहीं। यात्रा को यथासंभव आरामदायक बनाने का प्रयास करें।
- स्थानीय प्रतिक्रियाएं जैसे हल्का बुखार और इंजेक्शन स्थल पर लालिमा या दर्द हो सकता है जो आमतौर पर थोड़े समय के लिए रहता है।
- टीकाकरण के बाद भी आप स्तनपान जारी रख सकती है या पूरक आहार दे सकती है।
- कृपया डॉक्टर से संपर्क करें यदि आपके बच्चे को:
  - टीकाकरण के बाद तेज बुखार हो।
  - यदि आपका शिशु बहुत सुस्त दिखे या चलने में पैर लचकाये
  - यदि आपका शिशु लगातार 3 घंटे से अधिक समय तक रोता है और चिड़चिड़ा रहता है।
  - यदि आपके बच्चे को ऐंठन होती है।

JAYPEE BROTHERS

प्र. 7

यदि टीका लगवाने में देरी हो या टीका छूट जाए तो हमें क्या करना चाहिए? क्या संपूर्ण टीकाकरण के बाद भी कोई बीमारी होना संभव है?

यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने बच्चे को निर्दिष्ट समय पर टीका लगवाएं। शेड्यूल बीमारी होने के जोखिम पर आधारित है। इसका मतलब यह है कि यदि आप टीका लगवाने से चूक जाते है या इसमें देरी करते है तो उस दौरान आपके बच्चे को इस बीमारी का खतरा हो सकता है। लेकिन, अगर आप तारीख चूक गए है तो इसे जल्द से जल्द पूरा कर लें। कृपया याद रखें कि शेड्यूल को दोबारा शुरू करना आवश्यक नहीं है।

अपने बच्चे का टीकाकरण करवाएं और बाकी शेड्यूल पूरा करें। टीकाकरण किसी बीमारी से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। कोई भी टीका 100% सुरक्षात्मक नहीं है; कभी कभी टीकाकरण के बाद भी बीमारी हो सकती है, लेकिन बीमारी की गंभीरता काफी कम होती है।

प्र. 8

यदि किसी बच्चे को पहले से ही टीके से बचाव योग्य बीमारी है, तो क्या बच्चे को अभी भी टीका लगाया जाना चाहिए?

टाइफाइड, डिप्थीरिया, कुकर खाँसी, हिब निमोनिया और फ्लू जैसी कई बीमारियाँ है, जिनके परिणामस्वरूप अक्सर पूरी बीमारी के बाद भी केवल अल्पकालिक सुरक्षा ही मिलती है। इसलिए, बीमारी ठीक होने के बाद बच्चे को टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार सभी टीकाकरणों की आवश्यकता होगी।

JAYPEE BROTHERS

प्र. 9

हम वास्तव में विभिन्न टीकों से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। पोलियो ड्रॉप्स से नपुंसकता और खसरे के टीके से ऑटिज्म होता है, इस बारे में आपका क्या ख़याल है? क्या इन मान्यताओं में कोई तथ्य है या सिर्फ अफवाहें हैं?

वर्तमान में उपलब्ध अधिकांश टीके विनिर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण की बहुत कड़ी प्रक्रिया से गुजरते है। इन्हें वर्षों के शोध कार्य के बाद ही मनुष्यों में उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है जिसमें पशु अध्ययन और मानव परीक्षणों के विभिन्न चरण शामिल है। उपयोगी और सुरक्षित पाए जाने के पर ही इन टीकों का उपयोग उच्चतम लाइसेंसिंग और अनुशंसित निकायों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) से अनुमोदन प्राप्त करने पर ही मनुष्यों में किया जा रहा है। किसी भी वैज्ञानिक प्रमाण ने ओपीवी के उपयोग से नपुंसकता या खसरे वाले टीकों के साथ ऑटिज़्म का कोई संबंध साबित नहीं किया है। ये पूरी तरह से मिथक है, तथ्य नहीं।

प्र. 10

मेरे बच्चे को तय कार्यक्रम के अनुसार सभी टीके लग गए है, क्या उसे अभी भी सामूहिक अभियान (Pulse Program)के दौरान टीका लगवाना चाहिए? मुझे डर है के इतने सारे टिको की वजह से उसके सिस्टम को ओवर लोड ना कर दे। डॉक्टर, इस बारे में आपके क्या विचार है?

हां, भले ही आपके बच्चे को सभी नियमित टीकाकरण मिल गए हों, फिर भी आपको उसे पोलियो और एम आर जैसे बड़े अभियान के दौरान टीका लगवाना चाहिए। अभियान के दौरान टीकाकरण का उद्देश्य बड़ी आबादी में एक ही टीके का उपयोग करके किसी बीमारी को खत्म करने के लिए उसके संचरण को नियंत्रित करना है, जबकि नियमित टीकाकरण में व्यक्तिगत बच्चे को बीमारी से बचाना है। यदि आप उस दौरान अपने बच्चे का टीकाकरण नहीं कराते है तो जन अभियान का पूरा उद्देश्य और प्रयास व्यर्थ हो जाएंगे। इसे टीके की एक अतिरिक्त खुराक के रूप में माना जाना चाहिए, जो न केवल समाज के लिए बल्कि व्यक्तिगत बच्चे के लिए भी उस बीमारी के खिलाफ उसकी प्रतिरक्षा में सुधार करने में उपयोगी होगी। हमें वास्तव में ऐसी अनूठी प्रतिरक्षा प्रणाली प्रदान करने के लिए प्रकृति का आभारी होना चाहिए, जो एक समय में लाखों एंटीजन को अलग-अलग पहचान सकती है, और टीकों के रूप में दिए गए प्रत्येक एंटीजन के खिलाफ सुरक्षात्मक विशिष्ट प्रतिरक्षा स्थापित कर सकती है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की विशाल क्षमता की तुलना में, हमें केवल कुछ ही टीके (~20) दिए गए है। इसलिए, टीकों की गिनती के बावजूद, हमें उन बीमारियों की संख्या गिनने की ज़रूरत है, जिनसे हम टीकों का उपयोग करके अपने बच्चे की रक्षा कर सकते है।

JAYPEE BROTHERS

for detailed information on pediatric books, visit our website www.jaypeebrothers.com, for detailed information on pediatric books, visit our website www.jaypeebrothers.com,

माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए 105 आईएपी दिशानिर्देश

मुख्य विशेषताएं

- आईएपी की 105 खास गाइडलाइंस का एक संग्रह, जिसका मकसद बच्चे की भलाई है
- दो बड़ी कैटेगरी में बांटा गया है–एक स्वस्थ बच्चे के लिए और दूसरा बीमार बच्चे के लिए
- चुने हुए टॉपिक में अचानक आने वाली इमरजेंसी, दुर्घटनाएं, लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याएं, नवजात से लेकर किशोर अवस्था तक की गंभीर बीमारियां शामिल हैं
- कोविड, महामारी की तैयारी, कोविड के समय में साइकोमोटर समस्याएं, और बच्चों के लिए योग से जुड़े खास चैप्टर जोड़े गए हैं
- हर गाइडलाइन सवाल–जवाब फॉर्मेट में है, जिससे माता–पिता को समझना बहुत आसान होगा
- आसान आम भाषा, स्केच और कार्टून का भरपूर इस्तेमाल, मल्टीकलर लेआउट, और अच्छी टाइपसेटिंग (टेक्स्टबुक से अलग) यह पक्का करेगी कि पढ़ने वाला कंटेंट से जुड़ा रहे
- माता–पिता के अलावा, ये गाइडलाइंस बाल रोग विशेषज्ञों, शिक्षकों, काउंसलरों, पॉलिसी बनाने वालों और बाल स्वास्थ्य के समर्थकों के लिए भी बहुत उपयोगी होंगी।

पीयूष गुप्ता
एमडी एफआईएपी एफएनएनएफ एफएएमएस
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, बाल रोग विभाग
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज
और गुरु तेग बहादुर अस्पताल, नई दिल्ली, भारत एवं
अध्यक्ष, भारतीय बाल रोग अकादमी, 2021

दीपक उग्रा
एमडी एफआईएपी एफआरसीपीसीएच
वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ सलाहकार
लीलावती अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, मुंबई
पीडी हिंदुजा अस्पताल, मुंबई, भारत एवं
अध्यक्ष, भारतीय बाल रोग अकादमी, 2010

नरेंद्र आर. नानिवडेकर
एमडी एफआईएपी डीसीएच डीएनबी
परामर्शदाता बाल रोग विशेषज्ञ एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
निरामय पीडियाट्रिक नर्सिंग होम एवं
आई केयर सेंटर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, भारत
कार्यकारी बोर्ड सदस्य, सीआईएपी 2021–22
राष्ट्रीय संयोजक, आईएपी एएलएस समूह 2021–22

अशोक बांगा
एमडी (बाल चिकित्सा)
निदेशक, चिरायु एवं आस्था अस्पताल
परामर्शदाता, बाल रोग विशेषज्ञ
ग्वालियर, मध्यप्रदेश, भारत

Shelving Recommendation
PEDIATRICS

ISBN 978-93-6616-468-7

Buy from ejaypee

JAYPEE BROTHERS